गुरु सेवा

तर्ज़ – कोई दम का हयाती है ... ...

जग विच तारन वाली गुरु की सेवा है।। टेक।।

जो सत्गुरु की सेवा कमांदे , इत – उत ओही इज़्ज़त पांदे।
ए गुरुमुख दी चाली, गुरु की सेवा है ... ...

गुरुमुख नूं गुरु दरस प्यारा, हरदम देंदा प्रेम हुलारा।
चढ़े नाम दी लाली, गुरु की सेवा है ... ...

अमरदास गुरु सेवा कमाई, ए गल्ल जाने सकल लुकाई।
पा गये शान निराली, गुरु की सेवा है ... ...

जोगासिंह और सम्मन – मूसन, गुरु सेवा का पांदे भूषण।
यम फाही कट डाली, गुरु की सेवा है ... ...

''दासनदास'' करो गुरु सेवा, मिल जाए मुक्त पदारथ मेवा।।
प्रगटे जोत अकाली, गुरु की सेवा है ... ...